सुलेखा

वर्तमान समय में हिंदी की दयनीय स्थिति

- व्यवसाय की भाषा हिंदी नहीं रह गयी है।
- शिक्षा का माध्यम हिंदी नहीं होता है।
- हिंदी के प्रयोग में लज्जा का अनुभव होता है।

“सुलेखा” के गठन का उद्देश्य

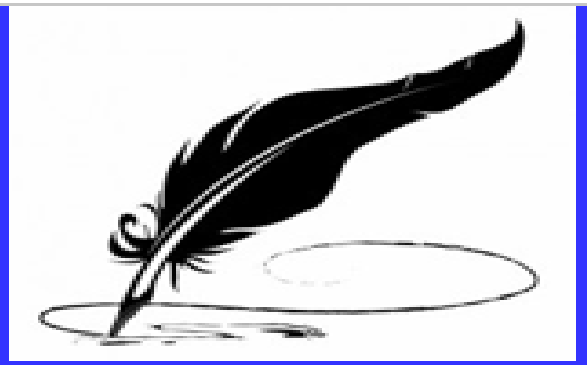

राजभाषा हिन्दी के प्रति सभी में प्रेम जागृत करने और उसके प्रयोग के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए ”सुलेखा” का गठन हुआ है|

हिन्दी का उपयोग अधिकाधिक लोग करें जिससे हिन्दी भाषा का प्रसार और विकास हो सके – यही इस समिति का उद्देश्य है।

समिति युवा और बाल वर्ग पर विशेष ध्यान देना चाहती है ताकि उनके जीवन में सही समय पर भारत की एकात्मता का सही बोध जागृत हो सके।

उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा

जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष निम्नलिखित विषयों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायगा।

- हिन्दी निबंध – कविता लेखन
- वाद-विवाद – भाषण प्रतियोगिता
- विचार गोष्ठी
- प्रचार वाक्यों (स्लोगन) के लेखन
- काव्य गोष्ठी - कवि सम्मेलन
- श्रुति लेखन
- कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता
- दूसरी समितियों के साथ मिलकर काम करना

उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया और भागीदारी होने पर प्रतियोगिताओं के विषयों की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है।

आधुनिक जीवन शैली से हिंदी को जोड़ने का प्रयास करेंगे

➢ ऐस ऍम ऐस, व्हाट्स ऐप,फेसबुक इत्यादि में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना।

➢ खेल खेल में जैसे किटी पार्टीज,बच्चों की पार्टीज में हिंदी संबंधित खेल खिलाएंगे।

➢ त्योहारों के आयोजन में हिंदी का प्रयोग ही नहीं बल्कि सुन्दर कलात्मक प्रयोग करेंगे।

➢हिंदी में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों को पुरुस्कृत करेंगे।

➢दैनिक अखबार या पत्रिकाओं में प्रविष्टि दिलाने का प्रयास करेंगे।

सुलेखा का आवाहन

हिन्दी की बोली अनमोल,
एक शब्द के कई विलोम।
हिन्दी हिन्द हिमालय पर शोभित,
बोल के हर्षित होते हम।

मीठी बोली अद्भुत बाणी संग,
बढ़ती प्रेम पिपासा है।
हिन्दी का उत्थान करना,
यही हमारी जिज्ञासा है।

हिन्दी में सब काम करेंगे,
हिन्दी का ही नाम करेंगे।
हिन्दी सत्य वचन की देवी,
पथ-प्रदर्शक हमी बनेंगे।

आभार सहित

मंजू मानधना,
अनुराधा जाजू, अर्चना लाहोटी, मधु बाहेती, प्रभा जाजू, सविता काबरा, सीमा झंवर